घनश्याम सिंह गुप्त महाविद्यालय में किया गया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी इकाई द्वारा पौधारोपण किया गया। जिसमें महाविद्यालय परिसर में हरियाली रखने एवं पर्यावरण व जलवायु संरक्षण करने और इस विषय में जागरूकता लाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति हंसमुख टुवानी थे, अध्यक्षता डॉ. श्रद्धा चंद्राकर प्राचार्य ने की। कार्यक्रम का संचालन प्रो. जसराम नायक, कार्यक्रम अधिकारी ने किया। कार्यक्रम में कटहल, जामुन, गुलमोहर, नीम, करन एवं अन्य छायादार और फलदार वृक्ष के कुल 40 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर सभी ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण करने और उन पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिए। कार्यक्रम में डॉ जेके खलखो, आइक्यूएसी प्रभारी प्रो.सीडी मानिकपुरी, डॉ. राजेश पांडेय, डॉ. दीपाली राव, प्रो. एलके. गवेल, प्रो. जीएन खरे, प्रो. योगिता ठाकुर, डॉ. वंदना धंडोरे एवं अन्य प्राध्यापक अधिकारी कर्मचारियों ने सहभागिता दी। पौधारोपण में राष्ट्रीय सेवा योजना व रेड क्रॉस के छात्र–छात्राएं लक्ष कुमार, चन्द्रेश यादव, शिवेंद्र, खिलेंद्र, नम्रता, चेतना लोमेश्वरी, देवर्षि, विकास साहू ने योगदान दिया।

घनश्याम सिंह गुप्त कॉलेज : रासेयो और यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी की पहल

हरियाली और पर्यावरण के लिए कटहल, जामुन, गुलमोहर व नीम के 40 पौधे रोपे

बालोद @ पत्रिका. शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी ने पौधरोपण किया। परिसर में हरियाली, पर्यावरण व जलवायु संरक्षण करने और जागरुकता लाने कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि हंसमुख टुवानी अध्यक्ष जनभागीदारी समिति थे। अध्यक्षता डॉ. श्रद्धा चंद्राकर प्राचार्य ने की। इस दौरान कटहल, जामुन, गुलमोहर, नीम, करन छायादार और फलदार कुल 40 पौधों का रोपण किया गया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने और उन पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। संचालन प्रो. जसराम नायक कार्यक्रम अधिकारी ने किया।

कार्यक्रम में डॉ. जेके खलखो, प्रो. सीडी मानिकपुरी (आइक्यूएसी प्रभारी) डॉ. राजेश पांडेय, डॉ. दीपाली राव, प्रो. एलके गवेल, प्रो. जीएन खरे, प्रो. योगिता ठाकुर, डॉ. वंदना धंडोरे, लक्ष कुमार, चंद्रेश यादव, शिवेंद्र, खिलेंद्र, नम्रता, चेतना, लोमेश्वरी, देवर्षि, विकास साहू का भी योगदान रहा।